लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

# University in News on 28 February 2023

## i-NEXT PAGE 4

# पोस्टर कंप्टीशन में दिखा गजब का हुनर

**एलयू में विज्ञान महोत्सव के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का किया गया आयोजन**

LUCKNOW (27 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी में चल रहे विज्ञान महोत्सव के तहत सोमवार को पोस्टर प्रतियोगिता हुई. इस दौरान जूलॉजी विभाग के शाधार्थी ने प्रतियोगिता में भाग लिया. शिरीन मसूद, प्रियंका अग्रवाल और स्नेहा प्रकाश को पहला, दूसरा और तीसरा स्थान मिला. समापन समारोह में ओसैद मसूद व श्रीजा राय को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. विभाग का म्यूजियम स्टूडेंट्स के लिए खुला रहा. मंगलवार को साइंस डे के मौके पर भी कई गतिविधियां होंगी.

### क्विज प्रतियोगिता भी हुई

एलयू के फिजिक्स डिपार्टमेंट में स्टूडेंट्स के लिए साइंस क्विज का आयोजन किया गया. इस दौरान स्टूडेंट्स ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया. स्टूडेंट्स ने फिजिक्स के बुनियादी बातों को जाना. डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, प्रो. एनके पाण्डेय, समन्वयक प्रो. लीना सिन्हा और डॉ. ज्योत्सना सिंह ने स्टूडेंट्स को म्यूजियम दिखाया. मंगलवार को मुख्य समारोह कल दोपहर 12 बजे से शुरू होगा और विज्ञान संकाय के विभागों के स्टॉल कार्यक्रम का मुख्य आकर्षक होगा.

### केमिस्ट्री डिपार्टमेंट में हुआ व्याख्यान

रसायन विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम पर रसायन शास्त्र पर व्याख्यान प्रतियोगिता हुई. आयोजन में विभाग के रिसर्च स्कॉलर्स को ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेलबीइंग थीम पर आधारित विषय पर तीन मिनट तक बोलना था. कुल 19 छात्रों ने भाग लिया. तीन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया.

## NBT PAGE 4

# तूलिका और मानवी को मिली बायर फेलोशिप

■ एनबीटी सं, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी में एमएससी बायोटेक्नॉलजी के पहले सेमेस्टर की छात्रा तूलिका सिंह और मानवी अनवानी को बायर फेलोशिप मिली है। एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय के मुताबिक, बायर का फेलोशिप प्रोग्राम जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स की पाठ्यक्रम अवधि (वर्तमान में दो वर्ष) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। फेलोशिप की अवधि दो साल की है जो 20 हजार रुपये प्रति माह की दर से सेमेस्टर वार प्रदान की जाएगी। फेलोशिप के दौरान दोनों छात्राओं को अपना अकेडमिक रिकॉर्ड अच्छा रखना होगा।

> 20 हजार रुपये प्रति माह की दर से सेमेस्टर वार प्रदान की जाएगी राशि

## AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# विज्ञान के रंगों से चमका लखनऊ विश्वविद्यालय

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विभागों में हुए आयोजन, आज होगा समापन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि परिसर सोमवार को विज्ञान के अलग-अलग रंगों से गुलजार रहा। मंगलवार को इस विज्ञान महोत्सव का समापन किया जाएगा जिसमें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय विजेताओं को सम्मानित करेंगे।

जूलॉजी विभाग में हुई पोस्टर प्रतियोगिता में शिरीन मसूद, प्रियंका अग्रवाल और स्नेहा प्रकाश ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं ओसैद मसूद और श्रीजा राय को सांत्वना पुरस्कार मिला। विभाग का एससी बाघ जूलॉजिकल म्यूजियम छात्रों के लिए पूरे दिन खुला रहा। यह संग्रहालय मंगलवार को शाम पांच बजे तक खुला रहेगा। विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि अंतिम दिन मंगलवार को पानी की एक बूंद में मौजूद सूक्ष्म को देखने, खून की एक बूंद से ब्लड ग्रुप जांचने, खाने योग्य मछली की पहचान, एमू के अंडे के काउंटर लगेंगे। विभाग के केएन बहल ऑडिटोरियम में विज्ञान फिल्में दिखाई जाएंगी। फिजिक्स विभाग में क्विज के फाइनल राउंड का संचालन प्रो. नीरज मिश्रा ने किया।



लविवि परिसर में विज्ञान महोत्सव में छात्राएं। संवाद

डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पाण्डेय, समन्वयक प्रो. लीना सिन्हा और डॉ. ज्योत्सना सिंह ने विद्यार्थियों को संग्रहालय का भ्रमण कराया। रसायन विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम पर रसायन शास्त्र, एक व्याख्यान प्रतियोगिता हुई। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि इसमें समृद्धि द्विवेदी को प्रथम, उजमा आफरीन को दूसरा और नगमी निगार सिद्दीकी को तीसरा स्थान मिला। प्रो. विजय कुमार राय ने इसका निर्णय किया।

### दो छात्राओं को बायर मेधा फेलोशिप

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी के पहले सेमेस्टर की छात्रा तूलिका सिंह और मानवी अनवानी को शैक्षणिक वर्षों में हासिल उपलब्धियों और साक्षात्कार के प्रदर्शन के आधार पर बायर फेलोशिप प्रोग्राम-मेधा के लिए चुना गया है। फेलोशिप की अवधि दो साल की है जो 20 हजार रुपये प्रति माह सेमेस्टरवार प्रदान की जाएगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दोनों को बधाई दी। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बायर का फेलोशिप प्रोग्राम, मेधा, जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र जैसे पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। (माई सिटी रिपोर्टर)



मानवी तूलिका

### लविवि : नकल करते धरे गए पांच छात्र

लखनऊ। लविवि में सोमवार से स्नातक के मुख्य पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं शुरू हो गईं। इस दौरान पांच नकलची भी पकड़े गए। 37,906 परीक्षार्थी में से 549 गैरहाजिर रहे। परीक्षा के पहले दिन विवि में महिला शिक्षकों की कमी के चलते सिर्फ छात्रों की ही तलाशी ली गई। (माई सिटी रिपोर्टर)

## i-NEXT PAGE 4

### आज लगेगी यूपी की जनसंख्या घड़ी

LUCKNOW : अब उत्तर प्रदेश की जनसंख्या की जानकारी पाना आसान होगा. मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के जनसंख्या शोध केंद्र द्वारा गेट नंबर दो पर जनसंख्या घड़ी लगाई जाएगी. साथ ही जनसंख्या वर्क स्टेशन भी स्थापित किया जाएगा. इसका उद्घाटन उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक करेंगे. मालवीय सभागार में होने वाले इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर जनरल (स्टैटिस्टिक्स डिविजन) कल सिंह और अध्यक्ष कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय होंगे.

## HINDUSTAN PAGE 6

### लखनऊ विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू,

# पहले दिन 549 ने परीक्षा छोड़ी, पांच नकलची पकड़े

**स्नातक कोर्स**

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालयों के स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ सहित पांच जिलों में बीए, बीबीए, बीकॉम, बीएससी और बीकॉम (ऑनर्स) के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं सोमवार से शुरू हुई। इसमें 37357 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि परीक्षा की प्रथम पाली में 19965 और द्वितीय में 17392 विद्यार्थी उपस्थित रहे। जबकि दोनों पाली में कुल 549 स्टूडेंट्स अनुपस्थित रहे।

सचल दल द्वारा दोनों पालियों में कुल पांच नकलची पकडे गए। वहीं प्रॉक्टर राकेश द्विवेदी ने बताया कि सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई और रायबरेली जिलों के लिए सचल दल को सुबह पांच बजे रवाना कर दिया गया था।



**छात्राओं की नहीं हुई चेकिंग**

प्रथम पाली में न्यू कॉमर्स ब्लॉक में आयोजित की गई परीक्षाओं में जहां छात्रों को चेक कर भेजा जा रहा था वहीं महिला निरीक्षक न होने के कारण छात्राओं की चेकिंग नहीं हुई। हालांकि सभी परीक्षार्थियों के बैग बाहर रखवा दिए गए थे।

**लाइब्रेरी को बना दिया निगरानी कक्ष**

एलयू में वेबकास्टिंग से मॉनिटरिंग के लिए साइबर लाइब्रेरी के एक कक्ष को चुना गया है। यहां दस से बारह छोटे-छोटे मॉनीटर स्क्रीन पर परीक्षा केंद्रों पर लगे कैमरों से कक्षों की निगरानी हो रही है। जो सुबह नौ से बारह और दोपहर दो से पांच बजे तक निगरानी कक्ष रहता है, बाकी समय छात्र आकर यहां पढते हैं।

**05** जिलों में स्नातक की परीक्षाएं शुरु हो गईं

**दो छात्राओं को फेलोशिप**

लखनऊ विश्वविद्यालय की दो छात्राओं को बायर फेलोशिप मिली है। इन्हें दो सालों तक 20 हजार रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। फेलोशिप के दौरान दोनों छात्राओं को अपना एकेडमिक रिकॉर्ड अच्छा रखना होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एमएससी बायोटेक्नोलॉजी के पहले सेमेस्टर की छात्रा तूलिका सिंह और मानवी अनवानी को बायर फेलोशिप मिली है। दोनों का चयन अकेडमिक योग्यता, प्रेरणा पत्र आदि के आधार पर हुआ।

## JAGRAN CITY PAGE III

# वाह...! यहां तो दुनिया का सबसे पुराना जीवाश्म है

जासं, लखनऊ : अरे! वाह... दुनिया का 1.6 अरब वर्ष पुराना जीवाश्म। सर, ये कहां से और कब लाया गया? हीरा, पन्ना, पुखराज में असली-नकली की पहचान कैसे करते हैं? दुनिया का सबसे लंबा 3.14 मीटर का हाथी दांत भी यहां है। सर, इसके बारे में भी बताइए। सोमवार को कुछ इसी तरह के सवाल स्कूली छात्र-छात्राओं ने लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-गर्भ विज्ञान विभाग के संग्रहालय में प्रोफेसर विभूति राय से पूछे तो उन्होंने विस्तार से जवाब दिए।

राष्ट्रीय विज्ञान विभाग के उपलक्ष्य में लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के भू-गर्भ विज्ञान के साथ ही मानव विज्ञान और जूलाजी विभाग के संग्रहालय में अनूठे संग्रह को देख छात्र-छात्राएं आश्चर्यचकित हुए। लवि ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सभी के लिए दो दिनों तक विज्ञान के सभी विभागों के संग्रहालय खोले हैं। डीन एकेडमिक प्रो. पूनम टंडन, भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. एनके पांडेय, समन्वयक प्रो. लीना सिन्हा और डा. ज्योत्सना सिंह विद्यार्थियों के साथ मानव विज्ञान और भूविज्ञान विभागों के संग्रहालयों में गए। मानव विज्ञान के संग्रहालय में विभागाध्यक्ष डा. केया पांडेय ने कई जानकारियां दीं। छात्रों ने जूलाजी विभाग के जूलाजिकल संग्रहालय में लुप्त जानवरों के कंकाल सहित कई चीजें देखीं। भौतिक विज्ञान विभाग की लैब में स्कूली छात्र-छात्राओं ने विभिन्न तरीके के प्रैक्टिकल किए।

रसायन विज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें शोधार्थियों को ग्लोबल साइंस फार ग्लोबल वेलबीइंग थीम पर आधारित विषय पर तीन मिनट तक बोलना था। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के बारे में अवगत कराया। प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार समृद्धि द्विवेदी, दूसरा पुरस्कार उजमा आफरीन, तीसरा पुरस्कार नगमी निगार सिद्दीकी ने जीता। इस अवसर पर विभाग के पूर्व छात्र एवं उपाध्यक्ष रसायन विज्ञान एक्टिस आंकोलाजी, डरहम उत्तरी कैरोलिना, यूएसए के डा. वेद श्रीवास्तव ने पेप्टाइड बेस्ड मेडिसिन फार वंस-ए-इयर ट्रीटमेंट फार टी2डी एंड ओबेसिटी" पर व्याख्यान में नई औषधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी।



भौतिक विज्ञान विभाग में आए स्कूली छात्र-छात्राओ ने प्रैक्टिकल करके भी देखा

**जान सकेंगे ब्लड ग्रुप**

जूलाजी विभाग के हेड प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि मंगलवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रदर्शनी लगेगी। इसमें जूलाजी के स्टाल पर आने वाले लोग स्वयं अभ्यास करके अपने ब्लड ग्रुप और फ्रोनोटाइप को जान सकेंगे। वे पानी की एक बूंद में सूक्ष्म जीवों को देखने के साथ ही मछलियों को जानने और पहचानने में सक्षम होंगे। मनुष्यों (होमो सेपियंस) के विकास को दर्शाने वाला एक अनूठा सेल्फी प्वाइंट भी होगा।

**असाइनमेंट जमा करने का मौका**

लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग ने बीएससी पहले, तीसरे, पांचवें और एमएससी पहले व तीसरे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को एक मौका दिया है। ऐसे विद्यार्थी जिनकी कोई औपचारिकता जैसे प्रस्तुति, असाइनमेंट जमा करना, मिड टर्म परीक्षाएं आदि अधूरी रह गई हैं, उन्हें अपने विषय के विभागाध्यक्ष से संपर्क करके दो मार्च से पहले इसे पूरा करना होगा। इसके बाद कोई भी मौका नहीं मिलेगा। विभाग के हेड प्रो. अजय मिश्रा ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है।

### लवि की दो छात्राओं को केंद्र सरकार से मिलेगी फेलोशिप

लखनऊ : लवि के परास्नातक कोर्सो की दो छात्राओं को केंद्र सरकार ने बायर मेधा फेलोशिप के लिए चुना है। इनमें एमएससी बायोटेक्नोलाजी के पहले सेमेस्टर की छात्रा तूलिका सिंह और मानवी असवानी का नाम शामिल है। अकादमिक योग्यता, प्रेरणा पत्र, शैक्षणिक वर्षो के दौरान हासिल की गई अतिरिक्त उपलब्धियों एवं साक्षात्कार के आधार पर बायर फेलोशिप प्रोग्राम-मेधा के लिए दोनों का चयन हुआ है। फेलोशिप की अवधि दो साल की है। (जासं)

## AMRIT VICHAR PAGE 4

### लविवि: पोस्टर प्रतियोगिता का परिणाम जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय विज्ञान महोत्सव में शोधार्थियों के बीच पूर्व में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता का परिणाम सोमवार को जारी कर दिया गया। जारी परिणाम में शिरीन मसूद प्रथम, प्रियंका अग्रवाल द्वितीय तीसरा स्थान स्नेहा प्रकाश ने हासिल किया। समापन समारोह ओसैद मसूद, श्रीजा राय को सांत्वना पुरस्कार मिला। विभाग का एस.सी.बाघ जूलॉजिकल म्यूजियम छात्रों के लिए पूरे दिन खुला रहा।

### लविवि में विज्ञान दिवस पर हुई व्याख्यान प्रतियोगिता

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को रसायन विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम पर 'रसायन शास्त्र, व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। यह विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का पहला कार्यक्रम था। इस आयोजन में विभाग के रिसर्च स्कॉलर्स को ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेलबीइंग थीम पर आधारित विषय पर तीन मिनट तक बोलना था। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के बारे में अवगत कराया और भागीदारी का महत्व भी बताया। कुल 19 छात्रों ने भाग लिया।

## VoL PAGE 6

### लविवि की दो छात्राएं बायर मेधा फेलोशिप से सम्मानित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दो परास्नातक की छात्राओं को हाल ही में बायर मेधा फैलोशिप से सम्मानित किया गया है। एमएससी बायोटेक्नोलॉजी के पहले सेमेस्टर की छात्रा तूलिका सिंह और मानवी अनवानी को अकादमिक योग्यता, प्रेरणा पत्र, शैक्षणिक वर्षों के दौरान हासिल की गयी अतिरिक्त उपलब्धियों और साक्षात्कार के प्रदर्शन के आधार पर बायर फेलोशिप प्रोग्राम-मेधा के लिए चुना गया है। फेलोशिप की अवधि दो साल की है जो 20 हजार रुपये प्रति माह की अदर से सेमेस्टरवार दी जायेगी। फेलोशिप के समय पर संवितरण के लिए चयनित छात्रों को नीतियों के अनुसार लगातार अकादमिक रिकॉर्ड बनाये रखने की आवश्यकता होगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दोनों छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि इस प्रकार की फेलोशिप से छात्राओं को उनकी पढ़ाई की आकांक्षाओं और उनके लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

बायर का फैलोशिप प्रोग्राम, मेधा, जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र जैसे पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और निम्न-आय वर्ग के चुनिंदा छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम अवधि (वर्तमान मामले में दो वर्ष) के लिए वित्तीय सहायता देता है। इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन दिसंबर 2022 में तथा ऑनलाइन साक्षात्कार जनवरी 2023 में आयोजित किये गये थे।



# व्याख्यान प्रतियोगिता में समृद्धि अव्वल

- लविवि के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित हुई प्रतियोगिता

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम पर रसायन शास्त्र, एक व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को किया। इस आयोजन में विभाग के रिसर्च स्कॉलर्स को ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेलबीइंग थीम पर आधारित विषय पर तीन मिनट तक बोलना था। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के बारे में अवगत कराया और भागीदारी का महत्व भी बताया। कुल 19 छात्रों ने भाग लिया। इसमें तीन विद्यार्थियों को पुरस्कृत हुए।

प्रथम पुरस्कार समृद्धि द्विवेदी, दूसरा पुरस्कार उजमा आफरीन और तीसरा पुरस्कार नगमी निगार सिद्दीकी को दिया गया। पुरस्कार नहीं पाने वाले सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का मूल्यांकन प्रो. विजय कुमार राय के नेतृत्व में एक टीम ने किया था। उनकी सहायता डॉ. नीरज कुमार मिश्रा, डॉ. सीमा मिश्रा और डॉ. सुशील कुमार मौर्य ने की। प्रो. वी.के. शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभाग के फैकल्टी मेंबर्स और रिसर्च स्कॉलर्स ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता के बाद डॉ. वेद श्रीवास्तव, एल्युमिनस, रसायन विज्ञान विभाग (1980 टरू. रसायन विज्ञान जो वर्तमान में उपाध्यक्ष, रसायन विज्ञान एक्टिस ऑन्कोलॉजी, इंक। डरहम, उत्तरी कैरोलिना, यूएसए हैं। डॉ. श्रीवास्तव द्वारा आठवां पूर्व छात्र व्याख्यान दिया गया था। प्रोफेसर विजय कुमार राय द्वारा पेश किया गया था और डॉ. अशोक कुमार सिंह ने उन्हें विभागीय मोमेंटो प्रदान किया था। डॉ. श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान रपेप्टाइड बेस्ड मेडिसिन फॉर वन्स-ए-इयर ट्रीटमेंट फॉर टी2डी एंड ओबेसिटीर पर अपने व्याख्यान में इस नई औषधीय के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तकनीक। उन्होंने दर्शकों को बताया कि पेप्टाइड चिकित्सीय पाइपलाइनों के विकास के लिए पेप्टाइड चिकित्सीय एक अभिनव रणनीति बनी हुई है। हाल ही में, पेप्टाइड अस्थिरता और रोगी के अनुकूल वितरण की अंतर्निहित चुनौतियों के बावजूद पेप्टाइड दवाओं की संख्या में बाजार में प्रवेश करने में काफी वृद्धि हुई है। यह प्रस्तुति कवर करेगी (ए) यह समझना कि पेप्टाइड चिकित्सीय प्रगति आसमान क्यों छू रही है और (बी) रोगी-केंद्रित एक साल के उपचार का केस स्टडी मधुमेह और मोटापे की एनटी। केस स्टडी में औषधीय रसायन विज्ञान, सूत्रीकरण और दवा वितरण पहलू शामिल होंगे। डॉ. राजीव कुमार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में सभी पीएच.डी. छात्र-छात्राएं, संकाय सदस्य सहित विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा उपस्थित रहे।